

जैसा चाहो वैसा समजना

जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,
मांगने की आदत तो जाती नहीं है,
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं है,
जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,

बड़े बड़े पैसे वाले भी तेरे द्वार पे आते हैं,
मुझे ये मालुम है मैयां तुझसे मांग के जाते हैं,
मांगने में इज्जत तो जाती नहीं है,
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं है,
जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,

तुझसे माँ मैं शर्म करू तो और कहा जाऊँ गा,
मैं अपने परिवार का खर्चा और कहा से लाऊँगा,
ये दुनिया तो बिगड़ी बनती नहीं है,
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं है,
जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5629/title/jaisa-chaaho-vaisha-samajna-bas-tumse-itna-kehana>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |